आनन्द सभा पाठ्यक्रम का अध्ययन: सार्वभौमिक मूल्यों के संदर्भ में

लघुशोध प्रबंध, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
द्वि वर्षीय एम.एड.पाठ्यक्रम 2023-2025 की आंशिक पूर्ति हेतु
शिक्षा में स्नातकोत्तर (Master of Education - M.Ed.)
शैक्षणिक सत्र:-2023-2025

शोध पर्यवेक्षक (Supervisor)
प्रो. आयुष्मान गोस्वामी
विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग,
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

शोधकर्ता (Research Scholar)
रंजना मालवीय
द्वि-वर्षीय एम.एड. पाठ्यक्रम
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल
रोल नंबर: 2406600320

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद - एन.सी.ई.आर.टी.)
NAAC द्वारा A++ ग्रेड प्राप्त संस्थान
भोपाल - 462002, मध्य प्रदेश

घोषणा (Declaration)

मैं यह घोषणा करती हूँ कि मेरे द्वारा किया गया यह अध्ययन “आनन्द सभा पाठ्यक्रम का अध्ययन: सार्वभौमिक मूल्यों के संदर्भ में” शैक्षणिक सत्र 2023-2025 के दौरान, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.) के द्वि-वर्षीय एम.एड. पाठ्यक्रम की आंशिक पूर्ति के लिए किया गया है।

यह अध्ययन प्रो.आयुष्मान गोस्वामी, विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एनसीईआरटी), भोपाल (म.प्र.) के मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण में संपन्न हुआ है।

मैं यह भी घोषणा करती हूँ कि मेरे द्वारा किया गया यह शोध कार्य मौलिक है। यह शोध प्रबंध मैंने किसी अन्य संस्था/विश्वविद्यालय से किसी उपाधि या डिप्लोमा हेतु प्रस्तुत नहीं किया है।

तिथि (Date):

भोपाल

रंजना मालवीय

छात्रा द्वि-वर्षीय एम.एड.

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,

प्रमाणपत्र (Certificate)

यह प्रमाणित किया जाता है कि रंजना मालवीय, दो वर्षीय एम.एड. पाठ्यक्रम (सत्र 2023-2025) की छात्रा, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल ने मेरे मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण में अपना शोधकार्य “आनन्द सभा पाठ्यक्रम का अध्ययन: सार्वभौमिक मूल्यों के संदर्भ में” विषय पर पूर्ण किया है।

यह शोधकार्य मौलिक, प्रामाणिक एवं मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत करने के लिए है।

तिथि:

स्थान: भोपाल

प्रो. आयुष्मान गोस्वामी
विभागाध्यक्ष ,शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान

आभार (Acknowledgement)

मैं अपने मार्गदर्शक प्रो.आयुष्मान गोस्वामी, विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (NCERT), भोपाल (म.प्र.) के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता और सम्मान व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने इस शोधकार्य को पूर्ण करने में निरंतर उत्साहवर्धन, सहायक मार्गदर्शन और अमूल्य सहयोग प्रदान किया। वे मेरे लिए इस शोधकार्य के दौरान प्रेरणा का स्रोत और मार्गदर्शक शक्ति रहे हैं।

मैं प्रो. शिव कुमार गुप्ता, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल, प्रो. जयदीप मंडल, पूर्व-प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल, प्रो. अयुष्मान गोस्वामी, शिक्षा विभागाध्यक्ष तथा प्रो. अयुष्मान गोस्वामी, अनुसंधान संकायाध्यक्ष की आभारी हूँ जिन्होंने अध्ययन हेतु पर्याप्त शैक्षणिक संसाधन और वातावरण प्रदान किया।

मैं प्रो. रत्नमाला आर्य, डॉ. एन.सी. ओझा, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. मंजू, डॉ. सौरभ कुमार एवं अन्य संकाय सदस्यों की भी आभारी हूँ, जिन्होंने अपने सुझावों व सहयोग से इस शोधकार्य की सफलता सुनिश्चित की।

मैं डॉ. पी.के. त्रिपाठी, डिप्टी लाइब्रेरियन एवं पुस्तकालय के समस्त कर्मचारियों की भी अत्यंत आभारी हूँ, जिन्होंने शोधकार्य से संबंधित स्रोत सामग्री उपलब्ध कराने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

राज्य आनंद संस्थान (Rajya Anand Sansthan), आनन्द विभाग, भोपाल, मध्यप्रदेश शासन एवं वहाँ की Universal Human Values (UHV) टीम का भी मैं विशेष आभार व्यक्त करती हूँ, जिनके द्वारा आयोजित प्रशिक्षण, कार्यशालाएँ तथा परामर्श सत्रों ने मुझे "सार्वभौमिक मानव मूल्य" की अवधारणा को गहराई से समझने में अत्यंत सहायता प्रदान की।

मैं उन समस्त लेखकों एवं शोधकर्ताओं की भी ऋणी हूँ, जिनके कार्यों ने मेरे ज्ञान को समृद्ध किया एवं शोधकार्य में उपयोगी सिद्ध हुए। मैं विशेष रूप से अपने माता-पिता और परिवारजनों की आभारी हूँ, जिनके बिना शर्त प्रेम, प्रोत्साहन और आशीर्वाद ने मुझे इस शोधकार्य को पूरा करने की शक्ति दी। मैं अपने मित्रों की भी आभारी हूँ, जिनके सहयोग और प्रेरणा ने इस शोध को पूर्णता प्रदान की।

तिथि: रंजना मालवीय

स्थान: भोपाल द्वि-वर्षीय एम.एड.

आनंद सभा

सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों से आनंद की ओर

पाठ्य-पुस्तक (कक्षा-10)

राज्य आनंद संस्थान, आनंद विभाग, मध्य प्रदेश शासन

अनुक्रमणिका (INDEX)

अध्याय - 1	**प्रस्तावना**	**07-24**
	1.1 परिचय	07
	1.2 आनंद सभा की पृष्ठभूमि	12
	1.3 अध्ययन संबंधित प्रमुख अवधारणाएं उनके शैक्षणिक / दार्शनिक दृष्टिकोण	14
	1.4 अध्ययन की आवश्यकता और अध्ययन का औचित्य	16
	1.5 समस्या कथन	17
	1.6 अध्ययन का उद्देश्य	18
	1.7 शोध प्रश्न	18
	1.8 प्रमुख शब्दावली और परिभाषाएँ	19
	1.9 अध्ययन का महत्व	22
	1.10 अध्ययन की सीमाएँ	23
अध्याय -2	**साहित्य समीक्षा**	**25-45**
	2.1 सैद्धांतिक पृष्ठभूमि	25
	2.2 संबंधित पूर्ववर्ती अध्ययन	28
	2.3 शोध में अंतराल	38
अध्याय- 3	**शोध पद्धति**	**46-54**

	3.1 शोध प्रकृति	46
	3.2 नमूना	47
	3.3 उपकरण	49
	3.4 डाटा संग्रहण की विधि	50
	3.5 डाटा विश्लेषण की प्रक्रिया	51
	3.6 नैतिक विचार	53
अध्याय -4	**पाठ्यपुस्तक सामग्री विश्लेषण**	**55-86**
	अध्याय 1: मूल्य शिक्षा को समझना	**59**
	अध्याय 2: स्व-अन्वेषण – मूल्य शिक्षा की प्रक्रिया	**61**
	अध्याय 3: मानव की मूल चाहना एवं उसकी पूर्ति	**66**
	अध्याय 4: सुख और समृद्धि को समझना – इनकी निरंतरता और पूर्ति के लिए कार्यक्रम	**71**
	अध्याय 5: मानव को स्वयं और शरीर के सह-अस्तित्व के रूप में समझना	**75**
	अध्याय 6: स्वयं में व्यवस्था – 'स्वयं(मैं)' को समझना	**77**
	अध्याय 7: 'शरीर' के साथ 'मैं' की व्यवस्था – स्वास्थ्य और संयम को समझना	**81**
	अध्याय 8 (अ): मानव-मानव संबंध में मूल्य – ममता और वात्सल्य	**82**
	अध्याय 8 (ब): मानव-मानव संबंध में पूर्ण मूल्य – प्रेम	**84**
	अध्याय 9: समाज में व्यवस्था – सार्वभौमिक मानवीय व्यवस्था को समझना	**85**
	अध्याय 10: प्रकृति में व्यवस्था – अंतर्संबंध, स्व-नियंत्रण और परस्पर-पूरकता को समझना	**85**

	अध्याय 11: अस्तित्व में व्यवस्था – विभिन्न स्तरों पर पूर्ण सह-अस्तित्व को समझना	**86**
अध्याय -5	**चर्चा एवं सुझाव**	**87-92**
	5.1 चर्चाएं	88
	5.2 मुख्य निष्कर्ष	89
	5.3 सुझाव	91
अध्याय -6	**निष्कर्ष और अनुशंसाएं**	**93-108**
	6.1 भविष्य हेतु संकेत	92
	6.2 सिफ़ारिशे	94
	6.3 आनन्द सभा पाठ्यक्रम की उपयोगिता/ सारांश	96
	सबन्धित छायाचित्र, अख़बार समाचार, सोशल मीडिया समाचार	**109-115**